

## प्रलिमिंस फैक्ट: 08 अक्टूबर, 2021

- [साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2021](#)
- [अजेय वारधिर-2021](#)
- [जावन गबिबन](#)
- [हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल](#)

## साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2021

### Nobel Prize for Literature, 2021

साहित्य में 2021 का नोबेल पुरस्कार उपन्यासकार अबदुलराजाक गुरनाह को "उपनिवेशवाद के प्रभावों और संस्कृतियों एवं महाद्वीपों के बीच की खाई में शरणार्थी के भाग्य हेतु अडगि और करुणामय पैठ के लिये" प्रदान किया गया है।

- पछिले साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार [लुईस ग्लुक](#) को 'उनका अचूक काव्यात्मक स्वर जो खूबसूरती के साथ व्यक्तिगत अस्तित्व को सार्वभौमिक बनाता है', के लिये दिया गया था।
- [भौतिकी](#), [रसायन विज्ञान](#) और [चिकित्सा](#) में वर्ष 2021 के नोबेल पुरस्कार पहले ही दिये जा चुके हैं।

## प्रमुख बटु



■ **अबदुलराजाक गुरनाह के बारे में:**

- अबदुलराजाक गुरनाह का जन्म वर्ष 1948 में हुआ था और वे हृदि महासागर में जंजीबार द्वीप पर पले-बढ़े। जंजीबार में क्रांति होने के बाद 1960 के दशक के अंत में उन्हें ब्रिटन भागने के लिये मजबूर होना पड़ा।
  - जंजीबार पूर्वी अफ्रीका का हिस्सा है, यह क्षेत्र जिसे स्वाहिली तट के रूप में जाना जाता है, वर्तमान सोमालिया से हृदि महासागर के पश्चिमी तट पर मोज़ाम्बिक तक फैला है।
- उनके दस उपन्यास और कई लघु कथाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं। शरणार्थी के व्यवधान के विषय को उन्होंने पूरे साहित्य में आत्मसात किया है।
- उन्होंने ब्रिटन नरिवासन के दौरान 21 वर्ष की आयु से लिखना शुरू किया और हालाँकि स्वाहिली उनकी मातृभाषा थी लेकिन साहित्यिक भाषा के रूप में उन्होंने अंग्रेज़ी को चुना।
- गुरनाह का चौथा उपन्यास 'पैराडाइज़' (1994), एक लेखक के रूप में उनकी प्रसिद्धि, 1990 के आसपास पूर्वी अफ्रीका की एक शोध यात्रा के बाद हुई।

■ **महत्व:**

- ऐसे समय में जब वैश्विक शरणार्थी संकट तेज़ी से बढ़ रहा है, गुरनाह का साहित्य इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि लक्षित समुदायों और धर्मों के खिलाफ नस्लवाद तथा पूरवाग्रह कैसे उत्पीड़न की संस्कृतियों को कायम रखते हैं।

**अजेय वारयिर-2021**

**AJEYA WARRIOR-2021**

हाल ही में भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास [अजेय वारयिर](#) का छठा संस्करण उत्तराखंड के चौबटिया में शुरू हुआ।

- इससे पहले भारत और यूके ने बंगाल की खाड़ी में दो दिवसीय द्विपक्षीय पैसेज अभ्यास (PASSEX) में भाग लिया था।



**प्रमुख बंदि**

■ **परचिय:**

- अभ्यास यूनाइटेड किंगडम और भारत में वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाता है।
- यह अभ्यास मतिर देशों के साथ अंतर- संचालनीयता का विकास और विशेषज्ञता साझा करने की एक पहल का हिस्सा है।

■ **भारत और यूके के बीच अन्य संयुक्त अभ्यास:**

- नौसेना: कौकण
- वायु सेना: इन्द्रधनुष

**अन्य देशों के साथ भारत के सैन्य अभ्यास**

अभ्यास का नाम	देश
गरुड़ शक्ति	इंडोनेशिया
एकुवेरनि	मालदीव
हैंड-इन-हैंड	चीन
बोल्ड कुरकषेत्तर	संगिापुर
मतिर शक्ति	शरीलंका

नोमेडिक एलीफैंट	मंगोलिया
शक्ति	फ्रांस
सूर्य करिण	नेपाल
युद्ध अभ्यास	संयुक्त राज्य अमेरिका

## जावन गबिबन

### Javan Gibbon

इंडोनेशिया जावन गबिबन (Hylobates moloch) के आवास की रक्षा के लिये कदम उठा रहा है, जो जलवायु परिवर्तन और मानव अतिक्रमण से संकटग्रस्त है।

- इनका शिकार माँस और व्यापार दोनों के लिये भी किया जाता है।



### प्रमुख बटु

- **जावन गबिबन के बारे में:**
  - सलिवर गबिबन, जिसे जावन गबिबन के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राइमेट है। यह आमतौर पर दो की जोड़ी के समूहों में पाए जाते हैं।
  - यह इंडोनेशिया के जावा द्वीप का स्थानिक है, जहाँ यह 2,450 मीटर की ऊँचाई तक वर्षा वनों में रहता है।
    - यह बीजों को फैलाकर वन वनस्पति को पुनर्जीवित करने में मदद करता है।
  - लगभग 4,000 जावन गबिबन बचे हैं।
  - इसे IUCN वर्ष 2004 में **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** घोषित किया गया था, लेकिन अब यह **लुप्तप्राय** की श्रेणी में आ गया है। हालाँकि नवीनतम IUCN अनुमान से पता चलता है कि उनकी जनसंख्या घट रही है।
  - **आवास:**
    - जावन गबिबन जंगली आबादी **केवल जावा, इंडोनेशिया** में पाई जाती है।
    - यह भारत में **नहीं पाया जाता है** (**हलॉक गबिबन** भारत में पाया जाने वाला एकमात्र गबिबन है)।
- **स्थिति:**
  - **IUCN:** लुप्तप्राय
  - **साइटस:** परशिष्ट।

### हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल

### High Ambition Coalition for Nature and People

हाल ही में भारत, 'हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल' (HAC) में शामिल हुआ है।

- भारत HAC में शामिल होने वाला पहला **ब्रिक्स** (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देश है।

## प्रमुख बडि

### ■ HAC के बारे में:

- यह एक अंतर सरकारी समूह है, जो प्रकृत और लोगों के लिये एक वैश्विक समझौते का समर्थन करता है, जो क प्रजातियों के तीव्र क्षरण को रोक सकता है और महत्त्वपूर्ण पारस्थितिक तंत्र की रक्षा कर सकता है।
  - इसे वर्ष 2019 में **कोस्टारिका, फ्रांस और ब्रिटन** द्वारा लॉन्च किया गया था।
- इसकी सह-अध्यक्षता कोस्टारिका और फ्रांस द्वारा की जाती है और इसका सह-अध्यक्ष ब्रिटन है।

### ■ उद्देश्य:

- वर्ष 2030 तक दुनिया की कम-से-कम 30% भूमि और महासागर की रक्षा के लिये एक अंतरराष्ट्रीय समझौते की वकालत करना (**वैश्विक 30x30 लक्ष्य**)
- प्राकृतिक आवासों के नुकसान के बिना स्थायी रूप से प्रकृति प्रबंधन हेतु चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा समर्थित प्रकृतिक लाभों के स्थायी एवं न्यायसंगत बँटवारे के लिये प्रयास करना।

### ■ सदस्य:

- इसके 70 से अधिक देश हैं, जो यूरोपीय, लैटिन अमेरिकी, अफ्रीका और एशिया महाद्वीपों से संबंधित हैं।

### ■ संबंधित पहलें

#### ○ वैश्विक:

- [संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन।](#)
- [पार्टियों का सम्मेलन 26 \(COP 26\)।](#)
- [जलवायु वृत्तपोषण।](#)
- [सामान्य लेकिन वृद्धि उत्तरदायित्व \(CBDR\)](#)
- [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन](#)
- [डजिस्ट्र रजलियिंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन](#)

#### ○ भारत:

- [राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम \(NCAP\)](#)
- [भारत स्टेज-VI \(BS-VI\) उत्सर्जन मानदंड](#)
- [उजाला योजना](#)
- [जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना \(NAPCC\)।](#)

